भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2351

उत्तर देने की तारीख 03.08.2026

संग्रहालयों और सांस्कृतिक संस्थानों का डिजिटल रूपांतरण

2351. डॉ. विनोद कुमार बिंद :
श्री राधेश्याम राठिया :
श्री दुलू महतो :
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी :
श्री गोपाल जी ठाकुर :
श्री सुरेश कुमार कश्यप :
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन :
श्री मनोज तिवारी :
श्री नव चरण माझी :
श्री कंवर सिंह तंवर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में संग्रहालयों के संग्रह की डिजिटल आर्काइविंग, संग्रह प्रबंधन और वर्चुअल सार्वजनिक पहुंच के लिए कोई राष्ट्रीय फ्रेमवर्क विकसित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेष रूप से बिहार के दरभंगा और हिमाचल प्रदेश के शिमला लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के सांस्कृतिक संस्थानों की स्थिति संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विरासत संरक्षण और डिजिटल नवाचार के लिए संग्रहालयों, शैक्षणिक संस्थानों और प्रौद्योगिकी भागीदारों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के शिमला लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृत परियोजनाओं, व्यय और उपलब्धियों संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ.) सरकार द्वारा संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संग्रहालयों और अन्य संस्थानों में प्रौद्योगिकी-सक्षम आगंतुक अनुभवों और डिजिटल विरासत पहलों का विस्तार करने के लिए उठाए गए कदमों तथा विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के शिमला लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए स्वीकृत या प्रस्तावित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार दरभंगा की समृद्ध मिथिला कला, पांडुलिपियों और सांस्कृतिक विरासत के डिजिटल संरक्षण और संवर्धन के लिए किसी विशेष योजना पर विचार कर रही है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हाँ। संस्कृति मंत्रालय संग्रहालय संग्रहों और अभिलेखीय संसाधनों के डिजिटलीकरण के लिए सी-डैक, पुणे द्वारा विकसित 'जतन' सॉफ्टवेयर के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक परिसंपत्तियों को डिजिटल रूप से संरक्षित करने के लिए डिजिटल अभिलेखन और संग्रह प्रबंधन में विभिन्न प्रयास कर रहा है। 'म्यूजियम्स ऑफ इंडिया' पोर्टल के माध्यम से एक राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी बनाई गई है, जहाँ राष्ट्रीय स्तर के आठ संग्रहालयों, दो एएसआई स्थल संग्रहालयों और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर संग्रहालय, पुणे के डिजिटलीकृत संग्रह उपलब्ध हैं। अब तक डिजिटलीकृत की गई वस्तुओं को निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: **https://museumsofindia.gov.in/repository**

संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत शुरू किए गए **'ज्ञान भारतम मिशन'** का उद्देश्य भावी पीढ़ियों के लिए भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत की संरक्षा करना और इसकी सभ्यतागत ज्ञान परंपराओं को पुन:स्थापित करना है। वर्तमान में जनता की पहुंच के लिए ज्ञान भारतम पोर्टल पर 3.5 लाख से अधिक डिजिटलीकृत पांडुलिपियाँ उपलब्ध हैं, जिन्हें निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: **https://gyanbharatam.com/**

संस्कृति मंत्रालय के अधीन **राष्ट्रीय अभिलेखागार** द्वारा मूल्यवान दस्तावेजी विरासत को परिरक्षित करने और अभिलेखीय रिकॉर्डों तक व्यापक पहुंच को सुगम बनाने के लिए अभिलेखीय रिकॉर्डों का डिजिटलीकरण किया जाता है। अभिलेखीय रिकॉर्डों को शोधकर्ताओं, विद्वानों और आम जनता के लिए नियमित रूप से एनएआई के समर्पित पोर्टल, **'अभिलेख पटल'** पर अपलोड किया जाता है। इसके आंकड़े **https://www.abhilekh-patal.in/** पोर्टल पर उपलब्ध हैं

एनसीएसएम की एक घटक इकाई, बिड़ला औद्योगिक और तकनीकी संग्रहालय (बीटीआईएम), कोलकाता ने राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी डिजिटल आर्काइव विकसित किया है, जिसमें प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों के कागजात, पत्र और पांडुलिपियां शामिल हैं, इसे 05.12.2024 को खोला गया था। यूआरएल (URL) **https://nstad.in/home-login/**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) अपने विभिन्न ज्ञानकोशों और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत के डिजिटल परिरक्षण, प्रलेखन और प्रसार के लिए व्यापक पहल कर रहा है। आईजीएनसीए द्वारा पांडुलिपियों, तस्वीरों, दुर्लभ पुस्तकों, दृश्य-श्रव्य

रिकॉर्डिंग, सांस्कृतिक प्रलेखन, कलावस्तुओं और अभिलेखीय संग्रहों को सम्मिलित करते हुए वृहत डिजिटल अभिलेखागार विकसित किए गए हैं और उनका रखरखाव किया जा रहा है।

(ख): संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालयों के डिजिटलीकृत डेटा का ब्यौरा **अनुलग्नक-I** पर संलग्न है।

(ग) और (घ): संस्कृति मंत्रालय के अधीन **राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)** संग्रहालय प्रदर्शन प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास कार्य में अग्रणी है और आगंतुकों की सहभागिता को बढ़ाने के लिए निरंतर नवोन्मेष कर रहा है। ऑगमेंटेड रिएलिटी (एआर), वर्चुअल रिएलिटी (वीआर), कृत्रिम मेधा (एआई), कंप्यूटर विज़न और सेंसर-आधारित इंटरेक्शन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत करते हुए, एनसीएसएम के अनुसंधान और विकासात्मक प्रयास का मुख्य उद्देश्य ऐसे सहज-बोधगम्य और इमर्सिव प्रदश विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना है जो सहजता से आगंतुकों के अनुभव का हिस्सा बन जाते हैं। इनमें मोशन ट्रैकिंग, आई-ट्रैकिंग, स्मार्ट कंटेंट एडेप्टेशन और टचलेस इंटरेक्शन में उन्नति शामिल है। इसका उद्देश्य शिक्षा को अधिक गतिशील, व्यक्तिगत और सभी दर्शकों के लिए सुगम्य बनाना है।

भारतीय संग्रहालय, कोलकाता 'विकास भी, विरासत भी' के दृष्टिकोण के अनुरूप और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने तथा परिरक्षित करने के अपने अधिदेश के अनुसार, विरासत संरक्षण और डिजिटल नवाचार को सुदृढ़ करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक पहल कर रहा है। भारतीय संग्रहालय ने अपने संग्रहों के डिजिटल संरक्षण के लिए पुरातात्विक कलाकृतियों के एआई आधारित जीर्णोद्धार के उपयोग के लिए **आईआईटी, खड़गपुर** के साथ सहयोग किया है।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन, सीसीआरटी, शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति के परिरक्षण और प्रचार के उद्देश्य से शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। इन कार्यक्रमों के भाग के रूप में, अनुभवात्मक शिक्षा और विरासत जागरूकता को सुविधाजनक बनाने के लिए संग्रहालयों और अन्य सांस्कृतिक संस्थानों के सहयोग से संग्रहालयों, विरासत स्मारकों और प्राकृतिक उद्यानों के शैक्षिक भ्रमणों का आयोजन किया जाता है। इन संस्थानों में दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय, राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी (एनजीएमए), राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, स्वच्छता केंद्र, कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा और लाल किला शामिल हैं। सीसीआरटी के क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से इसी तरह का सहयोग सालार जंग संग्रहालय (हैदराबाद), भारतीय लोक कला मंडल (उदयपुर), असम राज्य संग्रहालय (गुवाहाटी) और रानी दमयंती पुरातत्व संग्रहालय (दमोह) के भ्रमणों के लिए किया जाता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की पुरावशेषों और निर्मित विरासत स्थलों का डिजिटल

प्रलेखन राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन (एनएमएमए) के माध्यम से किया गया है। इसके अलावा, संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से सी-डैक, पुणे द्वारा विकसित जतन सॉफ्टवेयर पर एएसआई संग्रहालय, गोवा की 723 पुराकृतियों और एएसआई संग्रहालय, नागार्जुनकोंडा की 8,450 पुराकृतियों को डिजिटल रूप से प्रलेखित और अपलोड किया गया है।

(ड़): संस्कृति मंत्रालय ने प्रौद्योगिकी-सक्षम आगंतुक अनुभव और डिजिटल पहुंच को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं :

- पांडुलिपियों, तस्वीरों और अभिलेखीय संग्रहों का डिजिटलीकरण।
- चयनित प्रकाशनों और अभिलेखीय संसाधनों तक ऑनलाइन पहुंच।
- मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का डिजिटल प्रलेखन।
- प्रदर्शनियों, सम्मेलनों और आउटरीच कार्यक्रमों के दौरान मल्टीमीडिया और इंटरैक्टिव तकनीकों का उपयोग।

इन पहलों ने शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और जनता के लिए सांस्कृतिक संसाधनों तक पहुंच को काफी बेहतर बनाया है।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन **राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)** विज्ञान संग्रहालयों/केंद्रों का शीर्ष निकाय है और देश के विभिन्न भागों में इसकी 26 इकाइयां हैं जिनकी सूची अनुलग्नक-II पर दी गई है। यहां ऐसे प्रदर्श रखे गए हैं जो मूल रूप से व्यावहारिक और संवादात्मक प्रकृति के हैं और इन्हें एनसीएसएम द्वारा स्वयं ही विकसित किया गया है। एनसीएसएम आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अपने नियंत्रणाधीन संग्रहालयों और केंद्रों के स्तरोन्नयन, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण हेतु प्रत्येक वर्ष आवधिक आवश्यकता के अनुसार सुविचारित वार्षिक कार्य योजना तैयार करता है, जिसमें **हिमाचल प्रदेश राज्य में पालमपुर विज्ञान केंद्र, पालमपुर** भी शामिल है।

इसके अलावा, **विज्ञान की संस्कृति के संवर्धन हेतु स्कीम (एसपीओसीएस)** के अंतर्गत, (स्कीम का विवरण (https://www.indianculture.gov.in/) पर देखा जा सकता है) एनसीएसएम ने देश के विभिन्न भागों में छह (6) विज्ञान केंद्रों के आधुनिकीकरण/स्तरोन्नयन का कार्य किया है, जिनके नाम इस प्रकार हैं:

रांची विज्ञान केंद्र, झारखंड; सुकांत एकेडमी ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कल्चर, त्रिपुरा; नागालैंड विज्ञान केंद्र, दीमापुर; शिलांग विज्ञान केंद्र, मेघालय; मिजोरम विज्ञान केंद्र, आइजॉल और मणिपुर विज्ञान केंद्र, मणिपुर।

भारतीय संग्रहालय ने गूगल आर्ट एंड कल्चर के सहयोग से डिजिटल हस्तक्षेपों के माध्यम से विरासत को बढ़ावा देने के लिए एक वर्चुअल प्रदर्शनी तैयार की है। इसके आधुनिकीकरण के भाग के रूप में, आगंतुकों को इमर्सिव गैलरी अनुभव प्रदान करने के लिए एआई-आधारित इंटरैक्टिव और एआर-आधारित आगंतुक सहभागिता टूल शामिल किए गए हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने हम्पी (कर्नाटक) और नालंदा (बिहार) के पुरातत्व संग्रहालयों के लिए मोबाइल-आधारित एप्लिकेशन की शुरुआत की है। ये एप्लिकेशन संग्रहालयों का वर्चुअल भ्रमण उपलब्ध कराते हैं और वहां प्रदर्शित कलाकृतियों तक डिजिटल पहुंच की सुविधा प्रदान करते हैं।

(च): आईजीएनसीए ने अपने नियमित शैक्षणिक और अभिलेखीय कार्यकलापों के माध्यम से मिथिला कला, परंपराओं और पांडुलिपियों के विभिन्न पहलुओं के प्रलेखन, अनुसंधान, प्रकाशन और डिजिटल संरक्षण का कार्य किया है।

अनुलग्नक-I

'संग्रहालयों और सांस्कृतिक संस्थानों का डिजिटल रूपांतरण' के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2351 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

'जतन' सॉफ्टवेयर के माध्यम से वेबसाइट पर उपलब्ध संग्रहालय संग्रहों के डिजिटलीकरण की वस्तु स्थिति				
संग्रहालयों द्वारा सी-डैक, पुणे को स्थानांतरित किए गए रिकॉर्ड्स की संख्या				
क्रम संख्या	**ऑनबोर्ड किए गए संग्रहालयों का नाम**	**कलाकृतियों की कुल संख्या**	**वेबसाइट पर उपलब्ध कलाकृतियां**	**वेबसाइट पर उपलब्ध कलाकृतियों का %**
1	राष्ट्रीय संग्रहालय	2,06,169	1,05,452	**51.15**
2	भारतीय संग्रहालय	1,08,000	77,943	**72.17**
3	विक्टोरिया मेमोरियल हॉल	28,394	27,922	**98.34**
4	सालार जंग संग्रहालय	48,367	47,504	**98.22**
5	इलाहाबाद संग्रहालय	70,121	62,988	**89.83**
6	एनजीएमए, नई दिल्ली	15,929	12,555	**78.82**
7	एनजीएमए, मुंबई	1,457	1,461	**100.00**
8	एनजीएमए, बेंगलुरू	534	534	**100.00**
	कुल	**47,8971**	**33,6359**	**70.23**
संग्रह को नीचे दिए गए लिंक पर देखा जा सकता है: **https://museumsofindia.gov.in/repository**				

अनुलग्नक-II

'संग्रहालयों और सांस्कृतिक संस्थानों का डिजिटल रूपांतरण' के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2351 के भाग (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)

क्र. सं.	एनसीएसएम इकाई का नाम	जिस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में स्थित है
1.	बिड़ला औद्योगिक एवं तकनीकी संग्रहालय, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
2.	विश्वेश्वरैया औद्योगिक एवं तकनीकी संग्रहालय , बैंगलोर	कर्नाटक
3.	श्री कृष्ण विज्ञान केंद्र , पटना	बिहार
4.	जिला विज्ञान केंद्र , पुरुलिया	पश्चिम बंगाल
5.	जिला विज्ञान केंद्र , गुलबर्गा	कर्नाटक
6.	जिला विज्ञान केंद्र , धरमपुर	गुजरात
7.	नेहरू विज्ञान केंद्र, मुंबई	महाराष्ट्र
8.	जिला विज्ञान केंद्र , तिरुनेलवेली	तमिलनाडु
9.	क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
10.	क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर	ओडिशा
11.	राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, दिल्ली	दिल्ली
12.	रामन विज्ञान केंद्र और तारामंडल, नागपुर	महाराष्ट्र
13.	केंद्रीय अनुसंधान प्रशिक्षण प्रयोगशाला, कोलकाता (एनसीएसएम का अनुसंधान एवं विकास केंद्र)	पश्चिम बंगाल
14.	क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, तिरुपति	आंध्र प्रदेश
15.	जिला विज्ञान केंद्र, बर्धमान	पश्चिम बंगाल
16.	राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी	असम
17.	क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल	मध्य प्रदेश
18.	ढेंकनाल विज्ञान केंद्र, ढेंकनाल	ओडिशा
19.	एससी पार्क, कपिलास	ओडिशा
20.	क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र और तारामंडल, कालीकट	केरल
21.	साइंस सिटी, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
22.	उत्तर बंगाल विज्ञान केंद्र, सिलीगुड़ी	पश्चिम बंगाल
23.	दीघा विज्ञान केंद्र, दीघा	पश्चिम बंगाल
24.	कुरुक्षेत्र पैनोरमा और विज्ञान केंद्र, कुरुक्षेत्र	हरयाणा
25.	गोवा विज्ञान केंद्र, पंजिम	गोवा
26.	पालमपुर विज्ञान केंद्र, पालमपुर	हिमाचल प्रदेश

*****